

आईआईओपीआर समाचार



IIOPR News

An ISO 9001:2008 Certified Institute



भाकूअनुप - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी - 534 450, आन्ध्र प्रदेश; वेबसाइट: <http://dopr.gov.in>

क्षेत्रवार समाचार

उच्चतर उत्पादकता, लाभप्रदता और आय हासिल करने के लिए तेल ताड़ में अंतर-फसलचक्र प्रणाली दृष्टिकोण

तेल ताड़ में उपयुक्त अंतर फसलों के रूप में *हेलीकोनिया*, लाल अदरक, कोको, बुश पेपर, केला, लॉग पेपर, ग्युनिआ/नेपियर घास और कर्तित पर्णाय पौधे जैसी फसलों का सघनीकरण किया गया है। फसल संयोजनों में, अधिकतम शुद्ध लाभ (₹1,56, 695) तथा लागत : लाभ अनुपात (1 : 2.86) को तेल ताड़ + बुश पेपर में एवं तदुपरान्त तेल ताड़ : कोको संयोजन में पाया गया। परिणामों से यह साबित हुआ कि एकल फसलचक्र की तुलना में अंतर-फसलचक्र प्लॉटों में तेल ताड़ की उत्पादकता में वृद्धि हुई और साथ ही अतिरिक्त आय भी मिली।



तेल ताड़ में कोको अंतर-फसल

आगामी आयोजन

“भाकूअनुप दक्षिण अंतर-संस्थान टूर्नामेंट 2018” का आयोजन भाकूअनुप - केन्द्रीय कंदाकार अनुसंधान संस्थान (ICAR - CTRI), राजामहेन्द्रवरम द्वारा दिनांक 5 से 9 सितम्बर, 2018 को किया जाएगा जिसका सह-आयोजन भाकूअनुप - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी द्वारा किया जाएगा।

दिनांक 9 - 10 अगस्त, 2018 को 19वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी।

निदेशक की कलम से

आणविक एवं ऊतक संवर्धन तकनीकों का श्रेष्ठ पैतृक/संकर रोपण सामग्री विकसित करने में सहयोग



वर्ष 1995 में स्थापित भाकूअनुप - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान द्वारा उपज के लिए श्रेष्ठ तेल ताड़ आनुवंशिक सामग्री में सुधार लाने और जैविक व अजैविक प्रतिबल के प्रति सहिष्णुता और तेल गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु पारम्परिक प्रजनन विधियों पर कार्य करना प्रारंभ किया गया। तथापि, पारम्परिक प्रजनन तकनीकों की मदद से भारत में तेल ताड़ की उपज को सुधारने में मदद मिली है लेकिन भारतीय खाद्य तेल जरूरत की मांग को पूरा करने और अन्य देशों से खाद्य तेलों के आयात में कमी लाने के लिए अभी भी इसके उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने की जरूरत बनी हुई है। इस विषय पर, भाकूअनुप - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी एवं MPOB, मलेशिया के बीच जननद्रव्य विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से जननद्रव्य सुधार में भी प्रयास किए गए। इस विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत, संस्थान ने अफ्रीकी देशों और मलेशिया से आशाजनक जननद्रव्य हासिल किया। संस्थान द्वारा भारत के विभिन्न भागों मुख्यतः अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह का अन्वेषण किया और संस्थान में विदेशी स्रोत के व्यावसायिक ड्यूराX पिसिफेरा रोपण से संकलित 120 प्राप्तियों सहित स्वदेशी तेल ताड़ जननद्रव्य की रिपोजिट्री है।

तथापि, भाकूअनुप - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान में पारम्परिक प्रजनन कार्यक्रमों द्वारा एफएफबी उपज, तेल उपज, बौनापन तथा अजैविक प्रतिबल सहिष्णु वंशक्रम के संबंध में तेल ताड़ में सुधार लाया गया है, फिर भी तेल ताड़ के प्रजनन चक्र (15 वर्ष) में वांछित गुणों के साथ जननद्रव्य का चयन करने में लंबा समय लगता है। इस संबंध में, वांछनीय गुणों वाली तेल ताड़ किस्मों का विकास करने में आणविक और ऊतक संवर्धन तकनीकों महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। तेल ताड़ में विषमांगता एक प्रमुख समस्या होती है जहां प्रत्येक ताड़ दूसरे से भिन्न होता है। तेल ताड़ में समांगता में सुधार लाने हेतु, वर्तमान में संस्थान द्वारा ऊतक संवर्धन में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। भाकूअनुप - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान द्वारा अनेक कर्तातकों यथा स्पीयर पत्ती, नर तथा मादा पुष्पक्रम से किण, तथा कायिक भ्रूणजनता हासिल की गई। तेल ताड़ युग्मज भ्रूण का उपयोग करके पुनर्जनन प्रोटोकॉल का मानकीकरण किया गया। अभी हाल ही में, एसएनपी आधारित CAPS मार्कर की पहचान की गई है, जिनकी मदद से 5 वर्ष की प्रतीक्षा करने के स्थान पर पौध अवस्था में ही ड्यूरा, पिसिफेरा और टेनेरा फल रूप में अन्तर किया जा सकता है। इस पहचाने गए मार्कर की मदद से समय, स्थान, मजदूरी और भूमि की बचत की जा सकती है और वित्तीय लाभ अर्जित किया जा सकता है। पहचाने गए CAPS मार्करों का उपयोग करते हुए संस्थान में फल किस्म के लिए मौजूदा जननद्रव्य की गुंथि की जा रही है। हमने भी बौनापन (कम ऊंचाई वृद्धि) के लिए एक एसएसआर मार्कर की पहचान की है जिसकी मदद से बौने तथा ऊंचे अथवा लंबे जीनप्ररूपों में भिन्नता की जा सकती है। अनुक्रमण विधि तथा सम्पूर्ण जीनोम वार SSRs द्वारा जीनोटाइपिंग करके SNPs के उपयोग द्वारा तेल ताड़ (एलेइसा गिनीन्सिस जैक.) पर GWAS का आजमाया गया। तेल उपज से जुड़े गुणों और लघु बनावट वाले तेल ताड़ से जुड़े मानचित्रण के लिए कुल 4031 उल्लेखनीय SNPs का उपयोग किया गया। गुणसूत्र 6, 7 तथा 9 पर ऊंचाई वृद्धि के लिए तीन प्रमुख QTLs की पहचान की गई जिनके द्वारा कुल मिलाकर 41 प्रतिशत समलक्षणी भिन्नता का वर्णन किया गया। गुणसूत्र 1 पर गुच्छा भार के लिए दो QTLs की पहचान की गई जिनमें प्रत्येक द्वारा 24 प्रतिशत समलक्षणी भिन्नता का वर्णन किया गया। पांच QTLs की पहचान गुच्छा अनुपात में तेल प्रतिशत के लिए की गई। समलक्षणी डाटा के साथ एसएसआर मार्कर डाटा के सम्बद्ध मानचित्रण द्वारा गुच्छे में फल तथा गुच्छा गुणों में तेल मात्रा के लिए QTLs की पहचान की गई जिसके द्वारा क्रमशः 12.9 प्रतिशत व 11.5 प्रतिशत का R^2 वर्णित किया गया। वर्तमान में, उपरोक्त प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किसानों को आपूर्ति करने हेतु तेल ताड़ जननद्रव्य के बेहतर तेल उपजशील पैरामीटरों के साथ बौने और उच्च उपजशील जननद्रव्यों का चयन करने में किया जा रहा है। अतः इससे भारत में बड़े पैमाने पर तेल ताड़ के उत्पादन एवं उत्पादकता की मांग को बढ़ाने में मदद मिलेगी जिससे खाद्य तेलों के आयात पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा की बचत हो सकेगी।

पुनः भाकूअनुप - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान में अनुसंधान प्रयासों को मजबूती प्रदान की जा रही है ताकि आणविक जीवविज्ञान तकनीकों का हस्तक्षेप करके एवं त्वरित गुणनीकरण प्रोटोकॉल द्वारा समजात सामग्री का उत्पादन करके तेल ताड़ वृद्धि का टिकाऊ विकास हासिल किया जा सके और साथ ही गुणवत्ता बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता लाई जा सके और उच्च तेल उपजशील जननद्रव्य वाले बौने जननद्रव्य को उत्पन्न किया जा सके।


आर.के. माथुर

अनुसंधान अद्यतन : उपलब्धियां/कार्यप्रणालियां/नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियां/आनुवंशिक स्टॉक

जननद्रव्य पंजीकरण

पादप जननद्रव्य पंजीकरण समिति ने दिनांक 23 अक्टूबर, 2017 को आयोजित अपनी 37वीं बैठक में छः तेल ताड़ जननद्रव्य वंशक्रमों का पंजीकरण अनुमोदित किया। पंजीकृत जननद्रव्य की सिफारिशें इस प्रकार हैं :

टावेदन संख्या/राष्ट्रीय ID/पंजीकरण संख्या	विशेष गुण
IC 0597686; INGR 17082	मंद उर्ध्वाकर तना वृद्धि (प्रति वर्ष 15 सेमी. की कम वार्षिक ऊंचाई वृद्धि)
IC 0597687; INGR 17083	हरिताम फल रंग, ड्यूरा फल स्वरूप
IC 0597688; INGR 17084	लंबा गुच्छा डंटल (53 सेमी.)
IC 0597689; INGR 17085	बंध <i>पिसिफेरा</i> ताड़, हरिताम फल
IC 0597690; INGR 17086	बौना ताड़ (12 सेमी. वार्षिक ऊंचाई वृद्धि), उच्च फल जमाव (69.09 प्रतिशत)
IC 0597691; INGR 17087	मंद उर्ध्वाकर तना वृद्धि (प्रति वर्ष 25 सेमी. की कम वार्षिक ऊंचाई वृद्धि), <i>टेनेरा</i> फल स्वरूप के साथ गठीला ताड़

जननद्रव्य का संकलन (भाग्या, एच.पी.; रविचन्द्रन, जी, कल्याण बाबू, बी. एवं अनीता, पी.)

अज्ञात मूल के गुच्छों से दो बौने ताड़ों का संकलन किया गया। इनमेंतने की कम ऊंचाई और SSR आणविक मार्कर का उपयोग करके बौनापन गुणों की पुष्टि की गई।



किसान के खेत में पहचाने गए बौने तेल ताड़ जीनप्ररूप (टेनेरा)

पिसिफेरा ताड़ की पहचान (भाग्या, एच.पी.)

जननद्रव्य ब्लॉक 3 (ताड़ संख्या 20 एवं 47) और जननद्रव्य ब्लॉक 5 (ताड़ संख्या 8 एवं 13) में चार बंध अथवा निजर्मी *पिसिफेरा* ताड़ की पहचान की गई।

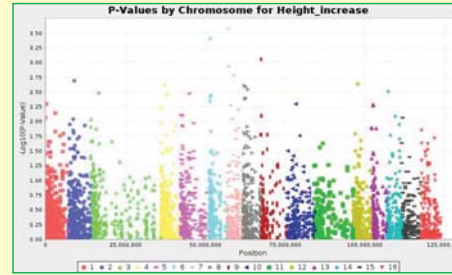
सुधार कार्यक्रम के लिए ड्यूरा का चयन (अनीता, पी.)

वर्ष 2017-18 के दौरान उच्च उपज और बौनेपन के लिए दो ड्यूरा x ड्यूरा क्रॉस यथा 44 CD (ZS-1) x 435, CD (CA-12) तथा 60 CD x 62 CD (ZS-8 परस्पर क्रॉस) से ड्यूरा ताड़ का मूल्यांकन किया गया। वर्ष 2017-18 के दौरान, ताड़ संख्या 47 (44

CD (ZS 1) x 435 CD (CA-12)) में सबसे अधिक गुच्छा भार (208.37 किग्रा.) दर्ज किया गया। दो वर्ष (2015-16 एवं 2016-17) के औसत के आधार पर उच्च उपज एवं कम ऊंचाई वृद्धि वाले कुल 14 ताड़ों को चुना गया। गुच्छे में 20 प्रतिशत से अधिक तेल मात्रा वाले ताड़ (ताड़ संख्या 32 एवं 52) की पहचान की गई है।

SNPs का उपयोग करके तेल ताड़ की बौनी बनावट के लिए जीनोम वार एसोसिएशन (GWAS) विधि द्वारा मानचित्रण प्रौद्योगिकी (कल्याण बाबू, बी.)

SNPs का उपयोग करते हुए सम्बद्धता मानचित्रण करने पर गुणसूत्र 6, 7 एवं 9 पर पांच विशिष्ट QTLs की पहचान की गई। रोचक रूप में, पांच QTLs में से तीन QTLs गुणसूत्र 7 पर ही स्थित थे जबकि एक-एक QTL, <0.00001 के P मान पर प्रत्येक 6 तथा 9 गुणसूत्रपर स्थित था।



96 अफ्रीकन जननद्रव्य की ऊंचाई वृद्धि के लिए संघनित MLM का मैनहट्टन प्लॉट

प्रथम बेव आधारित तेल ताड़ एसएसआर डाटाबेस की डिजाइन एवं विकास (कल्याण बाबू, बी. एवं मैरी रानी, के.एल.)

जीनोमिक अनुक्रम डाटा का संकलन और प्रत्येक तेल ताड़ गुणसूत्र के लिए अनूटे फारवर्ड एवं प्रतिलोम अनुक्रम डाटा का निष्कर्षण किया गया। तेल ताड़ जीनोम के 16 गुणसूत्रों के लिए रिपीट मॉटिफ, मॉटिफ टाइप तथा रिपीट संख्या के आधार पर सूक्ष्म सेटलाइट डाटा की डिजाइन तैयार की गई और वेब आधारित बहाली की गई।

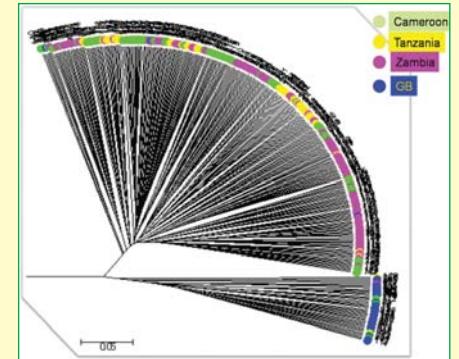


एसएसआर डाटा की बहाली के लिए प्रथम तेल ताड़ सूक्ष्म सेटलाइट डाटाबेस (OPSatDB)

चयनित अफ्रीकी तेल ताड़ जननद्रव्य का आनुवंशिक विविधता विश्लेषण (कल्याण बाबू, बी.)

चार अफ्रीकी देशों से जुड़े कुल 311 तेल ताड़ जननद्रव्यों का 400 एसएसआर मार्करों का उपयोग

करते हुए आणविक लक्षणवर्णन के लिए मूल्यांकन किया गया। कुल 170 SSRs बहुरूपीय पाए गए जिनमें स्पष्ट बैण्डिंग पैटर्न पाया गया। कुल 170 SSRs में से, 32 SSRs उच्च PIC मान, जीन विविधता, अधिक युग्मविकल्पी संख्या आदि के साथ अत्यधिक बहुरूपीय पाए गए। इन 170 SSRs की मदद से भौगोलिक मूल के आधार पर विभिन्न कलस्टर्स में 311 जननद्रव्यों में अन्तर किया जा सका। ग्यूनिया बिसाऊ के जननद्रव्य द्वारा अन्य देशों की तुलना में एक अलग कलस्टर बनाया गया।



आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के तेल ताड़ रोपण के लिए DRIS सूचकांक का विकसित (मनोरमा, के.)

आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के लिए DRIS सूचकांक नाइट्रोजन (N), फॉस्फोरस (P), पोटेसियम (K), मैग्नीशियम (Mg) तथा बोरॉन (B) के लिए क्रमशः -4.615, 3.32, 0.86, 3.915 और -3.485 था। कृष्णा जिले में पोषक तत्वों का महत्ता क्रम N > B > K > P > Mg है। कृष्णा जिले के पत्ती नमूनों में नाइट्रोजन (N), फॉस्फोरस (P), पोटेसियम (K), मैग्नीशियम (Mg) तथा बोरॉन (B) के लिए इष्टतम सीमा क्रमशः 2.07 - 4.29, 0.13 - 0.27, 0.52 - 0.94, 0.44 - 0.76 प्रतिशत एवं 44.97 - 102.7 पीपीएम है। मृदा में, pH, विद्युत चालकता (EC) तथा OC के औसत मान क्रमशः 7.32, 0.25 तथा 0.57 थे। N, P₂O₅ तथा K₂O क्रमशः 222.68, 101.47 तथा 566.13 किग्रा./हे. थे जबकि कैल्सियम (Ca) एवं मैग्नीशियम (Mg) क्रमशः 4.81 एवं 2.11 meq/100 ग्राम मृदा थे।

तेल ताड़ में सिंचाई की विधि एवं मात्रा (राव, बी.एन.)

सिंचाई की मात्रा का मादा पुष्पक्रमों के उत्पादन और एफएफवी उपज पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ता है। सिंचाई (माइक्रोजेट तथा ड्रिप विधि) की विधि का तेल ताड़ की उपज पर कोई प्रभाव नहीं देखा गया। उच्चतर उपज के लिए तिमाही अन्तराल पर मृदा में प्रति ताड़ प्रति वर्ष उर्वरकों @ 1200 : 600 : 1200 ग्राम नाइट्रोजन - फॉस्फोरस - पोटेसियम की संस्तुत मात्रा के साथ CF 0.7 पर सिंचित जल का प्रयोग करने की सिफारिश की जाती है।

अनुसंधान की अद्यतन जानकारी

प्रदर्शनियों में भागीदारी

भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान ने आन्ध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के जिला प्रशासन द्वारा जन्मभूमि मा वूरू की पूर्व संध्या पर दिनांक 8 जनवरी, 2018 को तल्लापुडी, पश्चिमी गोदावरी जिला, आन्ध्र प्रदेश में आयोजित प्रदर्शनी में अपनी भागीदारी दर्ज कराई।



भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदेवगी से के. रामचन्द्रायडु तथा पी. अनीता ने दिनांक 16 – 18 मार्च, 2018 को भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR-IARI), पूसा, नई दिल्ली में आयोजित कृषि उन्नति मेला में भाग लिया। इस मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किया गया। संस्थान के स्टॉल का अवलोकन करने वाले किसानों, अतिथिगणों और छात्रों को तेल ताड़ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और उनमें जागरूकता उत्पन्न की गई।



भाकृअनुप, नई दिल्ली में आयोजित प्रदर्शनी में भाकृअनुप – आईआईओपीआर की प्रतिभागिता

अधिकारियों को प्रशिक्षण

अक्टूबर, 2017 से मार्च, 2018 की अवधि के दौरान कुल 213 अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तमिल नाडु, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, मिजोरम, तेलंगाना और आन्ध्र प्रदेश राज्य के 31 अधिकारियों के लिए कुल चार कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। तेल ताड़ की खेती रीतियों पर आन्ध्र प्रदेश की राज्य सरकार के कुल 182 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया और उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता के आधार पर तेल ताड़ नर्सरी, प्रसंस्करण इकाई और खेत प्रदर्शनों को प्रदर्शित किया गया।

तेल ताड़ की उत्पादन प्रौद्योगिकियों और तेल ताड़ की खेती रीतियों पर अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें क्रमशः 100 एवं 82 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

तेल ताड़ में पादप सुरक्षा, संकर बीज उत्पादन, नर्सरी प्रबंधन, मृदा एवं पत्ती पोषक तत्व विश्लेषण पर कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें क्रमशः 5, 11, 3 तथा 12 सदस्यों ने भाग लिया।



तेल ताड़ संकर बीज उत्पादन पर अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

किसानों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

आन्ध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा तेलंगाना में तेल ताड़ की खेती करने वाले कुल 903 किसानों के लिए "तेल ताड़ की खेती रीतियां" पर ऑन-फार्म तथा ऑन – फार्म प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम नाम	का संख्या	प्रतिभागियों की संख्या	गांव/मण्डल/जिला	राज्य
तेल ताड़ की संस्तुत रीतियों पर ऑन-फार्म प्रशिक्षण कार्यक्रम	130	130	ऐश्वर्यपेट तथा सतुपल्ली खम्मम जिला	तेलंगाना
तेल ताड़ उत्पादन प्रौद्योगिकी पर किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम	773	773	पुन्याखतरम, पूर्वी गोदावरी जिला, इलुरु, पश्चिमी गोदावरी जिला, वेंकटपुरम, छिन्तालापुडी मण्डल, पश्चिमी गोदावरी जिला, इलाजवरम, पूर्वी गोदावरी, घंटावारीगुडेम, नल्लाजर्ला मण्डल, पश्चिमी गोदावरी जिला, मलाकापुरम गांव, कोठापेट जिला, काकीनाडा, डेण्डुलुरु, पेडापडु, लोयलागुडेम, हनुमान जंशान, कृष्णा जिला	आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना एवं छत्तीसगढ़
कुल प्रतिभागी				903

मेरा गांव – मेरा गौरव कार्यक्रम

आन्ध्र प्रदेश और केरल राज्य में मेरा गांव – मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत अंगीकृत किए गए गांवों में तेल ताड़ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रमों का आयोजन एवं समन्वयन किया गया।

फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित कृषि विज्ञान केंद्र स्कीम "फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम" के अंतर्गत "किसान-वैज्ञानिक एवं हितधारक इंटरफेस के साथ संसाधन उपयोग प्रभावी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से तेल ताड़ आधारित फसलचक्र प्रणाली की लाभप्रदता को बढ़ाना" को आन्ध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के छल्लाचिन्तालापुडी और मक्किनावारीगुडेम

गांवों में लागू किया जा रहा है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियां चलाई गईं :

माइयूल	हस्तक्षेप	शामिल क्षेत्रफल (हे.) / पशु (संख्या)	शामिल परिवारों की संख्या
फसल आधारित माइयूल	तेल ताड़ में मौसम आधारित सिंचाई समय-सारणी	200	40
	तेल ताड़ में पत्ती खाने वाले कैंटरपिल्लर एवं बैंग वॉर्म का एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन	635	217
	तेल ताड़ में आधारीय तना सड़न (गैनोडर्म प्रजाति) का एकीकृत रोग प्रबंधन	80	55
	तेल ताड़ में गुच्छों की तुड़ाई का मैकेनाइजेशन	50	80
बागवानी आधारित माइयूल	नारियल तथा तेल ताड़ आधारित फसलचक्र प्रणाली	4	10
पशुधन आधारित माइयूल	पशुधन के लिए चारा घास	2	30
प्राकृतिक संसाधन प्रबंध आधारित माइयूल	तेल ताड़ फलोद्यान से हासिल बायोमास की रिसाइक्लिंग	567	149

नैदानिकी खेत दौरे

आन्ध्र प्रदेश के तेल ताड़ फलोद्यानों में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों द्वारा कुल 24 नैदानिकी खेत दौरे किए गए।

फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम के अंतर्गत तेल ताड़ फलोद्यानों में नैदानिकी खेत दौरे किए गए और जैव अपशिष्ट प्रबंधन पर खेत प्रदर्शन लगाए गए (बी. कल्याण बाबू)।

निडाडावोलू और नल्लाजर्ला में नैदानिकी खेत दौरे किए गए और एकीकृत रोग प्रबंधन पर खेत प्रदर्शन लगाए गए (पी. अनीता एवं के.पी. दीप्ति)।

प्रदर्शन, समूह बैठक, जागरूकता अभियान एवं कौशल प्रदर्शन

फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम के अंतर्गत अंगीकृत किए गए दो गांवों में कुल 33 कौशल/विधि प्रदर्शन आयोजित किए गए जिनके विषय इस प्रकार थे : नाशीजीवों व रोगों का प्रबंधन; पोषक तत्व विश्लेषण के लिए मशदा एवं पत्ती का संकलन; परजीव्याभ को जारी करना; तथा नाशीजीव/रोग के विरुद्ध नाशकजीवनाशियों/जैव एजेन्टों का प्रयोग आदि। तेल ताड़ फलोद्यानों से बायोमास रिसाइक्लिंग के लिए भूसाकटर और बायोमास की रिसाइक्लिंग के लिए वर्मी क्यारियों के उपयोग को प्रदर्शित किया गया।

छल्लाचिन्तालापुडी में आयोजित कार्यक्रम

निम्नलिखित विषयों पर प्रदर्शन आयोजित किए गए : वर्मी कम्पोस्ट की क्यारी तैयार करना; पत्ती वेब वॉर्म की रोकथाम के लिए नाशकजीवनाशियों का छिड़काव; पत्ती वेब वॉर्म के विरुद्ध अण्डा परजीव्याभ (ट्राइकोग्रामा प्रजातियां) को जारी करना; नारियल तथा तेल ताड़ में राइनोसिरॉस भूंग के विरुद्ध मेटाराइजियम एनीसोप्लाई का प्रयोग; तथा नारियल एवं तेल ताड़ में बायोमास की रिसाइक्लिंग के लिए भूसाकटर। इसके तहत कुल 16 कार्यक्रम आयोजित

किए गए जिनमें कुल 258 लोगों को लाभ पहुंचा।

समूह बैठक

समूह बैठकें आयोजित की गईं जिनका विषय इस प्रकार था : पत्ती वेब वॉर्म की रोकथाम करना; वर्मी कम्पोस्ट की क्यारी तैयारी करना तथा पत्ती वेब वॉर्म की रोकथाम करना; तेल ताड़ फलोद्यान में सिंचाई एवं पोषक तत्व प्रबंधन पर इन्टरफेस बैठक; तेल ताड़ एफएफबी की पोल कटाई अथवा तुड़ाई का क्रियान्वयन। कुल 5 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें कुल 118 लाभान्वितों ने भाग लिया।

जागरूकता अभियान

तेल ताड़ फलोद्यान से बायोमास अपशिष्ट की रिसाइक्लिंग पर जागरूकता अभियान चलाए गए जिनमें 48 किसान लाभान्वित हुए।

कौशल प्रदर्शन

वर्मी क्यारी से कम्पोस्ट का संकलन, मोबाइल आधारित सिंचाई समय-सारणी पर दो कौशल प्रदर्शन आयोजित किए गए जिनमें क्रमशः 21 एवं 32 लाभान्वितों ने भाग लिया।

मक्कनावारीगुडेम में आयोजित कार्यक्रम

प्रदर्शन

पत्ती वेब वॉर्म के विरुद्ध अण्डा परजीव्याभ (ट्राइकोग्रामा प्रजाति) को जारी करने और अर्बस्कुलर माइकोराइजा का उपयोग पर कुल दो प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें क्रमशः 10 एवं 17 किसान लाभान्वित हुए।

समूह बैठक

तेल ताड़ में पत्ती वेब वॉर्म का प्रबंधन; नाशीजीव एवं रोग प्रबंधन पर चर्चा; तथा तेल ताड़ में रोग प्रबंधन विषय पर तीन समूह बैठकें आयोजित की गईं। इनमें कुल 45 किसानों को लाभ पहुंचा।

जागरूकता अभियान

तेल ताड़ में नाशीजीव एवं रोग प्रबंधन पर जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें 80 किसानों को लाभ पहुंचा।

कौशल प्रदर्शन

तेल ताड़ में मोबाइल आधारित सिंचाई समय-सारणी पर एक कौशल प्रदर्शन लगाया गया जिसमें 20 किसानों को लाभ पहुंचा।



वर्मी क्यारियों से तैयार वर्मी कम्पोस्ट के प्रयोग पर फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम

प्रकाशन

अनुसंधान लेख

- बहेरा, एस.के.; माथुर, आर.के.; शुक्ला, ए.के.; सुरेश, के. एवं चन्द्र प्रकाश (2018)। स्पैटियल वैरिआबिलिटी ऑफ सॉयल प्रापर्टीज एंड डेलीनियेशन ऑफ सॉयल मैनेजमेन्ट जोन्स ऑफ ऑयल पॉम प्लान्टेशन्स ग्राउन्ड इन ए हॉट एंड ह्यूमिड ट्रोपिकल रीजन ऑफ साउदर्न इंडिया, *Catena*, 165 : 251 – 259.
- बाबू, बी.के. एवं माथुर, आर.के. (2017)। बायो डाइवर्सिटी एंड जीनोमिक्स ऑफ ऑयल पॉम इन बायो डाइवर्सिटी इन हॉर्टिकल्चर क्रॉप्स, एस्ट्रल पब्लिकेशन्स, अंक 6, पीपी 319 – 336.
- कुमार, पी.एन.; बाबू, बी.के.; माथुर, आर.के.; रामाजयम, डी. (2018)। जिनेटिक इंजीनियरिंग ऑफ ऑयल पॉम, (राउत, जी.आर. एवं पीटर, के.वी. द्वारा सम्पादित), जिनेटिक इंजीनियरिंग ऑफ हॉर्टिकल्चरल क्रॉप्स, अकादमिक प्रेस, एल्जाइवर पीपी 169–191, आईएसबीएन : 9780128104392.
- चन्द्र सूर्या राव, एम.; राव, बी.एन.; विजय भास्कर, वी.; सुरेश, के. एवं कल्पना, आर. (2018)। इन्फ्लुयेन्स ऑफ डिफरेंट मेथड्स एंड लेवल्स ऑफ इरीगेशन ऑन फोटोसिंथेटिक पिगमेन्ट्स इन रिलेशन टू यील्ड ऑफ ऑयल पॉम (*एलेइस गिनीन्सिस* जैक)। इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट माइक्रोबायोलॉजी एन्वाइड साइन्स, 7 (2) : पीपी 26 – 35, <http://doi.org/10.20546/ijcmas.2018.702.005>
- प्रसाद, एम.वी.; कालिदास, पी.; राव, बी.एन.; सुरेश, के.; रामचन्द्रायडु, के.; प्रीति, के.पी.; मैरी रानी, के.एल. (सुनील कुमार, के.; रहाना, एस.एन.; साबू, ए.एस. एवं अश्वथी, जी.एम. द्वारा सह-सम्पादित) (2018)। एन्ना पना कृषि मलयालम (तेल ताड़ की खेती – हिन्दी), भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पृष्ठ 57.

ई- प्रकाशन

- मैरी रानी, के.एल.; कल्पना बाबू, बी.; सारिका साहू एवं माथुर, आर.के. (2018)। वेब एप्लीकेशन ऑफ ऑयल पॉम माइक्रोसेटेलाइट डाटाबेस (OPSatDB ver 2.0), भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी, <http://dopr.gov.in/Databases Software.htm> 1

संस्थान द्वारा डिजिटल प्रकाशन

- प्रसाद, एम.वी.; सुरेश, के.; माथुर, आर.के.; कालिदास, पी.; राव, बी.एन.; रामचन्द्रायडु, के. एवं प्रीति, पी. (2018)। दि गोल्डन पॉम – ए डिजिटल वीडियो फिल्म ऑन ऑयल पॉम कल्टीवेशन (28 मिनट अग्रेजी और हिन्दी भाषाओं में)
- प्रसाद, एम.वी.; सुरेश, के.; माथुर, आर.के. एवं सुनील कुमार, के. (2018)। आईसीएआर – आईआईओपीआर मार्चिंग अहेड, ए डिजिटल वीडियो फिल्म ऑफ एक्टीवीटीज ऑफ भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (12 मिनट)। पेदवेगी)

तकनीकी प्रकाशन

- माथुर, आर.के. एवं राव, बी.एन. (2018)। फिजीबिलिटी स्टडीज ऑफ ऑयल पॉम कल्टीवेशन ऑफ बचनाकी फार्म, उत्तर कन्नड डिस्ट्रिक्ट, कर्नाटक पृष्ठ
- माथुर, आर.के.; रविचन्द्रन, जी.; सुनील कुमार, के.; रनवीर सिंह, कल्याण बाबू, बी.; अनीता, पी. एवं

भाग्या, एच.पी. (2017)। 12वीं राष्ट्रीय तेल ताड़ बीज बैठक का कार्यवृत्त, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी द्वारा प्रकाशित। पृष्ठ

- राव, बी.एन.; सुरेश, के.; बहेरा, एस.के.; रामचन्द्रायडु, के. एवं मनोरमा, के. (2017)। न्यूट्रियेन्ट मैनेजमेन्ट इन ऑयल पॉम, भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी, पृष्ठ 28

लोकप्रिय लेख

- राव, बी.एन.; चन्द्र सूर्या राव, एम.; मनोरमा, के. एवं नरेश, एस. (2017)। ऑयल पॉम सागुलो नीति यजमान्यम – रायतुलाकु सूचानलू (तेल ताड़ में जल प्रबंधन – किसानों को सुझाव), *अन्नदाता* – मासिक तेलगु कृषि समाचार पत्रिका 49 (3) : 26 – 28.
- प्रसाद, एम.वी.; रामचन्द्रायडु, के.; सुन्दर राव, एन. एवं सौजन्य, पी. (2017)। ऑयल पॉम लो अन्तारा पंटाला सागु यजमान्यम लो तीसुकोवालासिना जागृतलु – तेलगु (तेल ताड़ में अंतर-फसलचक्र में बरती जाने वाली सावधानियां – हिन्दी), *व्यवसायम* – मासिक तेलगु कृषि समाचार पत्रिका, प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद, अक्टूबर, 2017, पृष्ठ 29 – 31.
- प्रसाद, एम.वी.; रामचन्द्रायडु, के.; सौजन्य, पी. एवं सुन्दर राव, एन. (2018)। ऑयल पॉम लो अन्तारा पंटालासागु – चेयावलासीनावी – चेयागुडानीवी – तेलगु (तेल ताड़ के अंतर फसलचक्र में क्या करें और क्या नहीं करें – हिन्दी), *रायतुनेष्टम* – मासिक तेलगु कृषि समाचार पत्रिका, मार्च, 2018, अंक 13 (6), पृष्ठ 53 – 54.

फोल्डर

- प्रसाद, एम.वी.; सुरेश, के.; सौजन्य, पी. एवं सुन्दरा राव, एन. (2018)। “ऑयल पॉम कल्टीवेशन” पर फोल्डर, भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी, पृष्ठ 2
- प्रसाद, एम.वी.; सुरेश, के.; सौजन्य, पी. एवं सुन्दरा राव, एन. (2018)। “ऑयल पॉम सागु – तेलगु (हिन्दी : तेल ताड़ की खेती)” पर फोल्डर, भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी, पृष्ठ 2

संस्थान द्वारा लघु वीडियो फिल्म का विकास

- मैरी रानी, के.एल.; प्रसाद, एम.वी.; माथुर, आर.के. एवं राव, बी.एन. (2018)। इरीगेशन मैनेजमेन्ट इन ऑयल पॉम
- मैरी रानी, के.एल.; प्रसाद, एम.वी.; माथुर, आर.के. एवं राव, बी.एन. (2018)। फर्टिलाइजर मैनेजमेन्ट इन ऑयल पॉम
- मैरी रानी, के.एल.; प्रसाद, एम.वी.; माथुर, आर.के. एवं राव, बी.एन. (2018)। मल्टिचंग इन ऑयल पॉम
- मैरी रानी, के.एल.; प्रसाद, एम.वी.; माथुर, आर.के. एवं राव, बी.एन. (2018)। ग्रीन मैनुअल एंड कवर क्रॉप्स इन ऑयल पॉम
- मैरी रानी, के.एल.; प्रसाद, एम.वी.; माथुर, आर.के. एवं राव, बी.एन. (2018)। मैनेजमेन्ट ऑफ न्यूट्रियेन्ट डिफिसियेन्सीज इन ऑयल पॉम

सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन में प्रतिभागिता

मनोरमा, के.

- दिनांक 23-26 अक्टूबर, 2017 को नई दिल्ली में रिमोट सेन्सिंग पर आयोजित 38वें एशियन सम्मेलन में "रिमोट सेन्सिंग एंड जीआईएस टेकनीक्स इन एग्रो इकोलॉजिकल जोनिंग एंड पोटेन्शियल एरिया आईडेंटिफिकेशन" पर प्रस्तुतिकरण तथा मौखिक पेपर
- दिनांक 6 फरवरी, 2018 को विजयवाड़ा में आईआईपीएम, बेंगलुरु तथा आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा "जिंस भविष्य एवं मूल्य जोखिम प्रबंधन" विषय पर आयोजित कार्यशाला

मैरी रानी, के.एल.

- दिनांक 9-10 अक्टूबर, 2017 को बेंगलुरु में "NSM ग्रिड ओवर NKN" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी
- दिनांक 26-27 फरवरी, 2018 को कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, बापटला, आन्ध्र प्रदेश में "डिजिटल एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज फॉर प्रेसीजन एग्रीकल्चर एंड वैल्यू एडिशन" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन तथा फार्म इंजीनियरिंग एक्सपोजे-2018

राव, बी.एन.

- दिनांक 10 अक्टूबर, 2017 को गुण्टूर, आन्ध्र प्रदेश में भाकृअनुप-भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान (ICAR - IISR) द्वारा अखिल भारतीय समन्वित मसाले अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक
- दिनांक 1 एवं 2 नवम्बर, 2017 को भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी (ICAR - NAARM), हैदराबाद में कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल (ASRB) इंटरफेस बैठक
- दिनांक 5 से 8 नवम्बर, 2017 को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (MPUAT) परिसर, उदयपुर, राजस्थान में राजस्थान सरकार तथा फिक्की (FICCI) द्वारा ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM 2017)
- दिनांक 26-27 फरवरी, 2018 को कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, बापटला, आन्ध्र प्रदेश में "डिजिटल एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज फॉर प्रेसीजन एग्रीकल्चर एंड वैल्यू एडिशन" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन तथा फार्म इंजीनियरिंग एक्सपोजे-2018

कल्याण बाबू, बी.

- दिनांक 20 से 23 फरवरी, 2018 को एसवी कृषि कॉलेज, तिरुपति में "टिकाऊ खाद्य सुरक्षा हेतु भावी कृषि" पर राष्ट्रीय सेमिनार

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी

आर.के. माथुर ने दिनांक 1 – 3 नवम्बर, 2017 के दौरान MoI, गुरुग्राम में "दि आर्ट ऑफ सक्सेसफुल लीडरशिप एंड मैनेजमेन्ट" पर आयोजित एमडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

एम.वी. प्रसाद ने दिनांक 6 – 9 नवम्बर, 2017 के दौरान देहरादून, उत्तराखण्ड में "फार्मर फर्स्ट परियोजना को लागू करने के लिए कार्यप्रणाली फ्रेमवर्क" पर आयोजित प्रशिक्षण एवं कार्यशाला में भाग लिया।

एच.पी. भाग्या ने दिनांक 14 से 20 दिसम्बर, 2017 को भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी (ICAR - NAARM), हैदराबाद में 'मल्टीवैरियेट डाटा एनालिसिस' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

रामा लिंगेश्वर राव, पी., वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्राइवर) ने दिनांक 27 नवम्बर, 2017 से 1 दिसम्बर, 2017 को भाकृअनुप – केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (ICAR - CIAE), भोपाल, मध्य प्रदेश में "तकनीकी ग्रेड में नियमित ड्राइवरों के लिए ऑटोमोबाइल रख-रखाव, सड़क सुरक्षा तथा व्यवहार कौशल" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

पी. गौरी शंकर, सहायक प्रशासनिक अधिकारी एवं श्री आसिफ मोहम्मद, सहायक वित्त व लेखा अधिकारी ने दिनांक 18 – 23 जनवरी, 2018 को भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी (ICAR - NAARM), हैदराबाद में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुभाग अधिकारियों, सहायक प्रशासनिक अधिकारियों, सहायक वित्त व लेखा अधिकारियों तथा सहायकों के लिए "प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंधन" विषय पर आयोजित पुनर्चर्चा पाठ्यक्रम में भाग लिया।

बैठक में भागीदारी/प्रस्तुत व्याख्यान/पेपर प्रस्तुतिकरण

एम.वी. प्रसाद ने दिनांक 28 मार्च, 2018 को भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), अनुसंधान केन्द्र, पालोड में "बीज प्रसंस्करण कामगार" पर एग्री. स्किल काउन्सिल ऑफ इंडिया (ASCI) द्वारा प्रायोजित कौशल विकास कार्यक्रम के प्रतिभागियों को "पर्सनल स्ट्रेन्थ्स एंड वैल्यू सिस्टम्स" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

के. मनोरमा ने "मैनेजमेन्ट स्ट्रेटीजिज डूरिंग फर्स्ट थ्री यीअर्स ऑफ ऑयल पॉम प्लान्टेशन" पर ऑल इंडिया रेडियो पर एक वार्ता प्रस्तुत की जिसका प्रसारण दिनांक 20 अगस्त, 2017 को हुआ।

बी.एन. राव ने दिनांक 23 जनवरी, 2018 को दुबाचर्ला गांव, पश्चिमी गोदावरी जिला में राज्य बागवानी विभाग, आन्ध्र प्रदेश के साथ सहयोग करके ऑफ कैम्पस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

दिनांक 1 फरवरी, 2018 को सचिवालय, बेंगलुरु, कर्नाटक में बागवानी विभाग द्वारा आयोजित 41वीं परियोजना मॉनीटरिंग समिति (PMC)

समितियों/विशेषज्ञ टीम में सदस्यता

के. मनोरमा को भाकृअनुप – केन्द्रीय कंदीय फसल अनुसंधान संस्थान (ICAR - CTRI), राजामुन्दी में दिनांक 29 जनवरी, 2019 तक तकनीकी कार्मिकों के मामले में मेरिट पदोन्नति मामलों पर विचार करने हेतु मूल्यांकन समिति में बाह्य सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया और इन्होंने दिनांक 12 अक्टूबर, 2017 को अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना परीक्षण पर

मॉनीटरिंग समिति के सदस्य के रूप में एचआरएस, विजयराय का दौरा किया।

बी.एन. राव – सीएएस कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. वाई एस आर एच यू. वी.आर. गुडेम के सहायक प्रोफेसर एवं वैज्ञानिकों के मूल्यांकन एवं साक्षात्कार के लिए बाह्य विशेषज्ञ

बी.एन. राव – सदस्य, कस्टम हायरिंग केन्द्र, पश्चिमी गोदावरी जिला, आन्ध्र प्रदेश के लिए जिला खरीद समिति

शोक समाचार

बीमारी के कारण श्री वाई.जे.ई. सेम्युल, वरिष्ठ लिपिक के आकस्मिक निधन पर भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR) शोक प्रकट करता है।

पदोन्नति/एमएसीपी

कल्याण बाबू, बी., वैज्ञानिक को दिनांक 08 जनवरी, 2017 से वरिष्ठ वैज्ञानिक के अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति प्रदान की गई।

आनन्द राव, के., तकनीशियक (फील्ड/फार्म) को दिनांक 13 अगस्त, 2017 से वरिष्ठ तकनीशियन (फील्ड/फार्म) के अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति प्रदान की गई।

सुनील दत्त, पी., वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ब्रॉयलर मैनेज), अनुसंधान केन्द्र, पालोड को दिनांक 23 मार्च, 2017 से तकनीकी अधिकारी (ब्रॉयलर मैनेज) के अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति प्रदान की गई।

मुरलीधरन पिल्लई, बी., वरिष्ठ तकनीशियन (फिटर), अनुसंधान केन्द्र, पालोड को दिनांक 18 सितम्बर, 2017 से तकनीकी सहायक (फिटर) के अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति प्रदान की गई।

पपा राव, ए., तकनीकी सहायक (ट्रैक्टर ड्राइवर) को दिनांक 13 सितम्बर, 2017 से वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ट्रैक्टर ड्राइवर) के अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति प्रदान की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

दिनांक 6 – 7 दिसम्बर, 2017 को संस्थान में कुशल सहायी स्टाफ के लिए "ईआरपी प्रणाली (MIS - FMS)" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 17-19 जनवरी, 2018 को "तेल ताड़ में मशदा एवं पत्ती पोषक तत्व विश्लेषण" पर आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान में "पत्र मसौदा लेखन एवं नियमित प्रशासनिक कार्यविधि सहित अंग्रेजी बोलना" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्थानान्तरण

श्री नासिर हुसैन, सहायक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा रक्षा कैन्टीन, नई दिल्ली में मैनेजर के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए दिनांक 26 फरवरी, 2018 (अपराहन) से भाकृअनुप सेवा से कार्यमुक्त किया गया।

श्री सिवराम कृष्णा, एस., निजी सहायक को एसपीए, विजयवाड़ा में निजी सचिव के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए दिनांक 28 फरवरी, 2018 (अपराहन) से सेवा से कार्यमुक्त किया गया।

मान्यता/पुरस्कार

प्रसाद, एम.वी., प्रधान वैज्ञानिक को अतकुर में भारत के माननीय उप-राष्ट्रपति द्वारा "पद्मश्री डॉ. आई.वी. सुब्बा राव रायतुनेष्टम पुरस्कारम - 2017" प्रदान किया गया।



"वॉयस मैसेज सर्विस" पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान पेपर, मौखिक प्रस्तुतिकरण पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रसाद, एम.वी.; मैरी रानी, के.एल; सुन्देरा राव, एन. एवं सौजन्य, पी. द्वारा दिनांक 26 - 27 फरवरी, 2018 को कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज, बापटला, गुण्टूर जिला, आन्ध्र प्रदेश द्वारा "प्रेसीजन कृषि एवं मूल्य वर्धन के लिए डिजिटल एवं इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियां" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "आईसीटी टूल्स फॉर डिसेमिनेशन ऑफ ऑयल पॉम टेक्नोलॉजीज"

कल्याण बाबू, बी. को साधना (SADHNA) सोसायटी, पालमपुर द्वारा युवा एचीवर पुरस्कार के लिए चुना गया।



अन्य, यदि कोई है (परामर्शी/सलाहकार सेवाएं/ऐसा मद जिसे कहीं अन्य शामिल नहीं किया गया है)

एम.वी. प्रसाद द्वारा कृषि कॉलेज, आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय (ANGRAU), तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश के कृषि प्रसार के पीएच.डी. छात्रों के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया गया।

सेवानिवृत्ति

श्री सुधाकरन नायर, एस., कुशल सहायी स्टाफ, भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, अनुसंधान केन्द्र, पालोड दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को सेवानिवृत्ति पर परिषद की सेवा से कार्यमुक्त हुए।

भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान में आयोजन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

दिनांक 30 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 2017 की अवधि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया और दिनांक 30 अक्टूबर, 2017 को शपथ लेकर इसकी शुरुआत की गई। भाकृअनुप-भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी के स्टाफ सदस्यों के बीच अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और दिनांक 3 नवम्बर, 2017 को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।



कृषि शिक्षा दिवस

भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी में दिनांक 4 दिसम्बर, 2017 को कृषि शिक्षा दिवस मनाया गया और इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों के बीच निबंध लेखन तथा प्रश्न-मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।



विश्व मृदा दिवस

दिनांक 5 दिसम्बर, 2017 को भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी में विश्व मृदा दिवस मनाया गया और पश्चिमी गोदावरी और कृष्णा

जिले के तेल ताड़ उत्पादकों को 68 मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए।



NMOOP के अंतर्गत अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

डॉ. एस.के. मल्होत्रा, कृषि आयुक्त, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली की अध्यक्षता में दिनांक 19 जनवरी, 2018 को NMOOP के अंतर्गत अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।



ब्रेन-स्टॉर्मिंग सत्र

दिनांक 24 जनवरी, 2018 को "तेल ताड़ बीज बगीचों के लिए बीज मानकों का विकास" विषय पर ब्रेन स्टॉर्मिंग सत्र आयोजित किया गया जिसकी सुविधा डॉ. ए. टोनापी, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIMR), हैदराबाद द्वारा उपलब्ध कराई गई।



स्थापना दिवस समारोह

भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान का स्थापना दिवस समारोह दिनांक 19 फरवरी, 2018 को मनाया गया। इस अवसर पर, निदेशक महोदय ने भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।



संस्थान अनुसंधान समिति (IRC) की बैठक

दिनांक 14 - 15 मार्च, 2018 को संस्थान अनुसंधान समिति (IMC) की बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक महोदय ने की और इसमें भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान के सभी वैज्ञानिकों ने भाग लिया।



भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया।

दिनांक 26 नवम्बर, 2017 को भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी में संविधान दिवस मनाया गया।

संकलन एवं सम्पादन : डॉ. बी.एन. राव, डॉ. बी. कल्याण बाबू, डॉ. पी. अनीता एवं श्रीमती एच.पी. भाग्या

द्वारा प्रकाशित : डॉ. आर.के. माथुर, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी - 534 450, पश्चिमी गोदावरी जिला, आन्ध्र प्रदेश
फोन : 08812 259532 / 259524, फैक्स : 08812 259531, ई-मेल : dopr2009@gmail.com; director.iopr@icar.gov.in, Website : http://dopr.gov.in